गुरूवार, 04 जनवरी 2024, ठाणे, मुंबई

दैनिक सिटी न्यूज मुंबई

सच का जोश

वर्ष 13 • अंकः 133 CITY NEWS MUMBAI

भाग 2

15 बस स्टॉप के आगे निजी बिल्डर की जमीन पर

अवैध सेकड़ो झोपड़े, नशा, जुआ, व देह व्यापार का बना अड्डा

मीरा भायंदर (सिटी न्यूज़ मुंबई शकील शेख) मीरा भयंदार मे बिल्डर लॉबी अपना प्लाट या जमीन गुंडे किस्म के समाजिक तत्व नशेबाजो को संभालने को दे रहे है जिस के बदले मे यह नशेडी जमीन पर अवैध रुप झोपड़े गैरेज और टर्फ के आलावा जुआ क्लब बनाना कर लाखो रुपए रोज की कमाई कर रहे है.साथ ही ड्रग्स का व्यापार यहाँ पर जोरो पर चल रहा है ना तो पुलिस को इसकी भनक लगने दे रहे है और ना तो मनपा को झोपड़े बनने की भनक लगने दी जाती है, काम होने पर नियमित हफ्ता पुहंचया जाता है. 15 नंबर बस स्टॉप के आगे पानी की टाकी सामने इसी तरह का मामला देखने को मिल रहा है वहां पार राजू नशेड़ी नामक जोकि फिरोज चमड़ा का गुरगा है उसके साथ एक अन्य व्यक्ति बटला है दोनों ने मिलकर अपना समाराज्य खड़ा कर दिया है.दोनों भी व्यक्ति आपराधिक किस्म के है उनपर मीरा भयंदार के अलग अलग पुलिस स्टेशन मे. कई मामले दर्ज है.खासकर झोपड़े बनाकर बंगलादेसीयों को प्रथम स्थान है पर किराये पर दिया जा रहा है अधिक तर बंगलादेसी बताये जा रहे है. जोकि अपने ऑप को 24 प्रगना डिस्टिक का बताते है सूत्रों शेष पृष्ठ 7 पर

मनपा आयुक्त संजय काटकर की हो सकती है बिदाई...

ढोले लगे फिर जुगाड़ मे

मुंबई (सिटी न्यूज़ मुंबई शकील शेख)19 फरवरी 2024 से 29 मार्च 2024 तक एलबीएसएनएए, मसूरी में आयोजित होने वाले 125वें इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए 17 आईएएस अधिकारियों (पदोन्नत या चयन सूची शामिल किया गया है जिसमे मनपा आयुक्त संजय श्रीपतराव काटकर का नाम भी शामिल है में हैं)जॉइंट सेकरेट्री एस एम महाडीक के आदेश सूची में वर्तमान महानगर पालिका आयुक्त संजय काटकर का नाम शामिल होने से यह अनुमान लगाया जा रहा है की ट्रेनिंग के बाद उन्हें प्रमोशन(जिला अधिकारी पद) मिल सकता है जिसके चलते वह मीरा भयंदार को 19 फरवरी 2024 से पहले एक और नया मनपा आयुक्त / प्रशासक मिल सकता है जोकी संजय कटकर की जगह लेगा। इस बीच महानगर पालिका प्रमुख पद के लिए दिलीप ढोले, सुजाता ढोले और गणेश देशमुख का नाम शेष पृष्ठ 7 पर

हिट-एंड-रन कानून पर उद्धव गुट के सांसद संजय राउत का आया बयान

कोई भी कानून बना कर थोप देते हैं, उसपर चर्चा कीजिए

हिट-एंड-रन मामलों पर नए कानून के खिलाफ ट्रक ड्राइवरों के विरोध पर शिवसेना (UBT) सांसद संजय राउत ने कहा, रूपरे देश में हड़ताल हो रही है. तनाव की स्थिति है... हिट एंड रन मामला काफी गंभीर होता है. मैं उसका समर्थन नहीं करूंगा लेकिन जैसे कानून बनाया है उस पर चर्चा करनी चाहिए थी... आप कोई भी कानून बनाकर हम (विपक्ष) पर थोप देते हैं, उस पर चर्चा तो करो... ड्राइवर्स की हड़ताल महाराष्ट्र के नासिक जिले में सोमवार को टैंकर चालकों ने काम बंद कर दिया और एक हजार से अधिक टैंकर पनेवाडी गांव में खड़े कर दिए. पनेवाडी गांव शेष पृष्ठ 7 पर

इंडिया' गठबंधन का साझा एजें डा है भाजपा को हराना: मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल में बुधवार को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए चुनावी बिगुल बजाते हुए राज्य के विकास के लिए कई परियोजनाओं को लागू करने में बाधाएं पैदा करने के लिए कांग्रेस और वाम दलों पर हमला बोला। त्रिशूर शहर के मध्य में विशाल थेक्किंकडु मैदान में महिलाओं की एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि इंडिया गठबंधन का भाजपा को हराने का एक साझा एजेंडा है। उन्हें देश को आगे ले जाने में कोई रुचि नहीं है। कांग्रेस और वामपंथी दोनों ही आम लोगों के लिए लाभकारी किसी भी विकासात्मक परियोजना को लागू करने में रुचि नहीं रखते हैं। उन्होंने कहा कि चाहे राजमार्ग हों, हवाई अड्डे हों शेष पृष्ठ 7 पर

हाजी मलंग या श्री मलंग विवाद भड़कने की आशंका, मुख्यमंत्री ने कहा, आपकी भावनाओं को पूरा किया जाएगा

मुंबई। ठाणे के कल्याण में पहाड़ी पर स्थित मलंगगढ़ को लेकर विवाद पुराना है। मंगलवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के मलंगगढ़ के बारे में दिए गए बयान से यह मामला फिर गरमा गया है। इस जगह का उल्लेख हाजी मलंग मलंगगढ़, श्री मलंग, मच्छिंद्रनाथ समाधिस्थल के रूप में किया जाता है।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को मलंगगढ़ में हरिनाम सप्ताह में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मलंगगढ़ के बारे में आप सभी की

भावनाएं मुझे पता है। कुछ साल पहले धर्मवीर आनंद दिघे ने मलंगगढ़ मुक्ति आंदोलन शुरू किया था और बड़ी खुशी की बात है कि हम सभी जय मलंग, श्री मलंग कहने लगे। हम सभी जानते हैं कि कुछ बातें हम सार्वजनिक रूप से नहीं कह सकते, लेकिन आपकी भावना मलंगगढ़ मुक्ति की है और इसे पूरा किए बिना एकनाथ शिंदे चुप नहीं बैठेगा। मलंगगढ़ कल्याण की पहाड़ी पर स्थित मौजूद एक किला है। इसे हाजी मलंग दरगाह के नाम से भी जाना जाता है। यह किला 7वीं सदी में मौर्य राजा नल देव ने बनवाया था। हिंदू पक्ष का कहना है कि यहां गोरखनाथ पंथ के संत मच्छिंद्रनाथ की समाधि है, जबकि दूसरे पक्ष का कहना है कि यहां शेष पृष्ठ 7 पर

'नेहरू की गलतियों के कारण पूर्वोत्तर खो सकता था भारत', लेखिका प्रियम गांधी मोदी का दावा

लेखिका प्रियम गांधी-मोदी ने कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की 'गलतियों' के कारण भारत देश के पूर्वोत्तर हिस्से को चीन के हाथों गंवा सकता था और बीजिंग ने दया दिखाते हुए संघर्ष विराम की घोषणा की थी। अपनी नई किताब 'अगर कांग्रेस नहीं होती तो क्या होता' के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने सुझाव दिया था कि कांग्रेस को भंग कर दिया जाना चाहिए और लोक सेवा संघ (एक सामाजिक सेवा संगठन) बना दिया जाना चाहिए। प्रियम ने अपनी किताब में विभाजन से पहले के राजनीतिक माहौल, 'खूनी विभाजन', कांग्रेस शासन में भ्रष्टाचार के उदाहरणों और गांधी परिवार द्वारा की गई गलतियों का जिक्र किया है। उनका मानना है कि आधुनिक भारत के इतिहास को एक विशेष राजनीतिक कहानी के

अनुरूप बताया गया है।
उन्होंने कहा, 'जब हम कांग्रेस पार्टी को यह कहते हुए देखते हैं कि पंडित नेहरू एक राजनेता थे। हम उन्हें (पूर्व प्रधानमंत्री) इंदिरा गांधी के शासन की प्रशंसा करते देखते हैं। हमने उनकी ओर से इस तरह की गलत गणनाएं और गलतियां देखी हैं। उदाहरण के लिए, मैं आपको एक वर्तमान उदाहरण देती हूं। मैं आज ही खबर पढ़ रही थी कि राहुल गांधी कुछ हफ्तों में पूर्वोत्तर से मुंबई तक अपनी भारत न्याय यात्रा शुरू करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, पूर्वोत्तर ले ले लिया गया। मेरे मतलब है कि चीन इसे लेने वाला था और यह पंडित नेहरू की गलतियों के कारण है। चीन ने हम पर दया दिखाई और संघर्ष विराम की घोषणा की और फिर नेहरू ने कश्मीर के इतने बड़े हिस्से का सौदा किया।'
प्रियम से जब उनकी पुस्तक की प्रेरणा के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, महात्मा गांधी की मृत्यु से तीन दिन पहले उन्होंने अपनी अंतिम इच्छा के रूप में एक पत्र लिखा था कि कांग्रेस को भंग कर दिया जाना चाहिए और इसे लोक सेवा संघ बना दिया जाना चाहिए और पंडित जवाहरलाल नेहरू उस एनजीओ के प्रमुख होंगे।
उन्होंने कहा, 'संसद के अंतिम शीतकालीन सत्र 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसी तरह का विचार दिया- अगर भारत में कांग्रेस होती ही नहीं तो क्या होता? इसलिए जब दो महान दिमाग एक विचार पर एक साथ मिलते हैं, तो निश्चित रूप से कुछ गहन विचार की आवश्यकता होती है और यही कारण है कि मैंने यह पुस्तक लिखी है।'
प्रियम ने कहा कि पुस्तक को खंडों में विभाजित किया गया है। विभाजन से पहले की घटनाओं से जो हमें विभाजन के करीब ले जाती है और जिसके कारण ऐसा खूनी विभाजन हुआ जो इसके लिए कौन जिम्मेदार था।

लोकसभा चुनाव से पहले 'नवमतदाता' अभियान शुरू करेगा भाजपा युवा मोर्चा, पांच हजार जनसभाएं करने की योजना

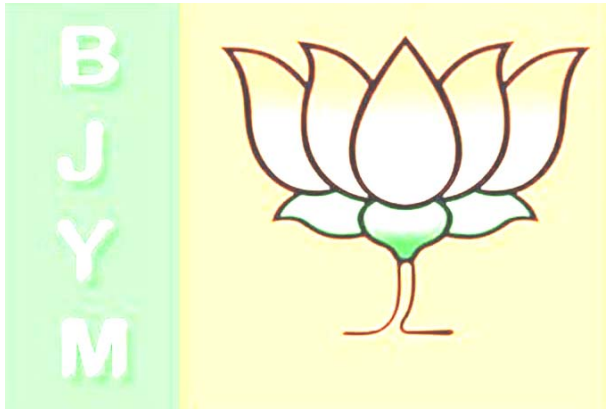

आगामी आम चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जनवरी में मतदाताओं तक पहुंचने के लिए नया अभियान शुरू करने की तैयारी में है। इसमें पार्टी ने देशभर में करीब पांच हजार सार्वजनिक सभाएं आयोजित करने की योजना बनाई है। सूत्रों ने बताया कि 2024 के चुनावों को ध्यान में रखते हुए भाजपा युवा मोर्चा जल्द ही बड़े पैमाने पर नया अभियान 'नवमतदाता' शुरू करने के लिए तैयार है। पार्टी जनवरी में एक नया मतदाता आउटरीच कार्यक्रम शउरू करने जा रही है। जिसमें सत्तारूढ़ पार्टी ने देशभर में करीब पांच हजार सार्वजनिक सभाएं आयोजित करने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा, हर बार जब चुनाव होते हैं तो नए मतदाताओं से जुड़ने के लिए योजना बनाई जाती है। एक करोड़ नए मतदाताओं तक पहुंचने के लिए लक्ष्य के साथ युवा मोर्चा इस बार भाजपा के लिए अधिक से अधिक मतदाता आउटरीच अभियान का नेतृत्व करेगा। अभियान के तहत भाजपा की युवा मोर्चा की टीम 8, 9, 10 और 11 जनवरी को उन सभी स्थानों पर संपर्क तेज करेगी, जहां युवा हैं। इसमें कॉलेज परिसर, कोचिंग सेंटर, स्टेडियम, खेल के मैदान और अन्य क्षेत्र शामिल हैं जहां युवा मौजूद हैं। इसके अलावा, 24 जनवरी को भाजपा का युवा मोर्चा देश के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक नया मतदाता सम्मेलन आयोजित करेगा। भाजपा युवा मोर्चा उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्यों में एक ही विधानसभा में दो सम्मेलन आयोजित करेगा।

गांव में नहीं जला एक भी चूल्हा, एक साथ जलीं 11 चिताएं; असम में शोक की लहर

गोलाघाट जिले के डेरगांव में बुधवार को हुए हासदे के बाद पूरे असम में शोक का लहर है। सबसे ज्यादा शोक और दुख में डूबे हैं अठखेलिया भरलुआ गांव के लोग। सुबह जब से गांव के लोगों को खबर मिली है, हर कोई गमजदा है। अश्रुधारा नहीं रूक रही है। जिनके परिजन चले गए, उनको ढांढस बंधाने वालों के खुद आंसू निकल रहे हैं। सुबह से गांव में किसी ने कुछ खाया नहीं है। किसी के घर का चूल्हा नहीं जला। केवल यही गांव ही नहीं, बल्कि आस-पास के गांव के लोग भी शोक में हैं। उनके यहां भी कई परिवारों ने सुबह से अन्न का दाना मुंह में नहीं डाला। अपनों का इंतजार करते-करते साझ ढल गई, अपने तो आए, पर सफेद कपड़ों में लिपट कर आए। विश्वास नहीं हो रहा है, जिस खुशी और उल्लास के साथ मुंह अंधेरे विदा किया था, वे ऐसे आएंगे। शायद इस गांव के किसी ने भी कभी सपने में नहीं सोचा होगा कि एक साथ, एक ही दिन, एक ही बार में अपने ही गांव के अपनों की 11 चिताएं जलानी पड़ेंगी। ऐसा दिन उनको देखना पड़ेगा, कभी सोचा भी नहीं था। और वह वक्त भी आया जब एक ही गांव में ग्यारह चिताओं को मुखाग्नि दी गई। जब गांव से एक साथ किसी के पिता, किसी का भाई, किसी की मां और किसी नन्हें से फूल सी कलियों की अर्थी उठी, तब हृदयविदारक क्रंदन ने आसमान तक को हिला दिया। ऐसा लगा, आज गम के आंसुओं में बह जाएगा पूरा गांव। एक युवा कहते हैं कि किसको दोष दें, सरकार को भगवान को या फिर किस्मत को। किसकी गलती बताएं। सुना है कि सड़क बनने के कारण रास्ते का डायवर्जन किया है। इसी के चलते हादसा हो गया। सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए, फिर ऐसा हादसा नहीं हो। यह शायद असम के इतिहास का सबसे बड़ा सड़क हादसा है। हमने तो आज तक इस तरह के हादसे के बारे में नहीं सुना है। यह भी पता चला है कि किसी-किसी परिवार के तीन लोग इस हादसे में मारे गए हैं। किसी परिवार का तो मुखाग्नि देने वाला भी नहीं बचा।

बर्फीली हवा ने दिन में भी बढ़ाई ठिठुरन, कल के लिए येलो अलर्ट जारी, अभी और गिरेगा पारा

पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी ने मैदानी इलाकों में ठिठुरन बढ़ा दी है। वहां से आने वाली सर्द हवा दिन के तापमान भी ठंडा कर रही हैं। बुधवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान सामान्य पर 7.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कुछ इलाकों में न्यूनतम तापमान 6.2 डिग्री रहा। उधर अधिकतम तापमान 15.6 डिग्री दर्ज किया गया, यह सामान्य से चार डिग्री कम रहा। सुबह से ही कोहरा छाया रहा। आसमान में बादल छाए रहे, इससे धूप भी अच्छे से नहीं खिली। रात को यह स्थिति और बिगड़ गई। दृश्यता घटने से लोगों को परेशानी का समाना करना पड़ा है। आईजीआई एयरपोर्ट समेत दिल्ली के दूसरे कई इलाकों में सुबह सफदरजंग इलाके में दृश्यता 500 मीटर और पालम में 600 मीटर दर्ज की गई। इस दौरान हवा उत्तर पश्चिम व उत्तर दिशा की ओर से चलीं। वहीं, हवा की गति पांच से 10 किलोमीटर प्रतिघंटा रही। प्रादेशिक मौसम विभाग की ओर से गुरुवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी से राजधानी में ठिठुरन बढ़ा रही है। गुरुवार को पारा लुढ़केगा इस दौरान न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। वहीं, आसमान साफ रहेगा और सुबह से समय हल्के से मध्यम स्तर पर कोहरा छाए रहने की आशंका है। आया नगर में न्यूनतम तापमान 6.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, यह अन्य इलाकों से सबसे ठंडा दर्ज किया गया। वहीं, लोधी रोड व जाफरपुर में 6.4 और रिज इलाके में 6.6 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, आया नगर में 16.4, पालम में 15.0, पीतमपुरा में 14.7, लोधी रोड में 14.6 व नरेला में 14.5 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। ऐसे में दोपहर में भी ठंड का अहसास बढ़ गया है। सुबह कोहरा अधिक होने से स्कूली बच्चों को भी हुई परेशानी हो रही है।

फाल्कन-9 रॉके ट के जरिए संचार उपग्रह लॉन्च करेगी अंतरिक्ष एजें सी, जानें स्पेसएक्स की मदद क्यों ली जा रही

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) इस साल की दूसरी तिहाई में स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट के जरिए 4.7 टन वजनी संचार उपग्रह का प्रक्षेपण करेगा। न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) ने बुधवार को इसका एलान किया। एनएसआईएल ने कहा कि GSAT-20 संचार उपग्रह का उद्देश्य देश की ब्रॉडबैंड, इन-फ्लाइट और समुद्री संचार (आईएफएमसी) और सेलुलर बैकहॉल सेवाओं की जरूरतों को पूरा करना है। जीसैट-20 में का-का बैंड एचटीएस (हाई थ्रूपुट सैटेलाइट) क्षमता होगी, जिसमें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह व लक्षद्वीप सहित पूरे देश को कवर करने वाले 32 बीम होंगे। इसे GSAT-N2 नाम दिया जाएगा।
उसने आगे कहा, 'GSAT-20 उपग्रह पर लगी एचटीएस क्षमता का बड़ा हिस्सा भारतीय सेवा प्रदाताओं द्वारा पहले ही सुरक्षित कर लिया गया है।' इसरो का भारी उपग्रह प्रक्षेपण रॉकेट GSLV-MK3 जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में चार हजार किलोग्राम पेलोड तक ही कक्षा में स्थापित करने में सक्षम है। इसलिए, उसे स्पेसएक्स एजेंसी से फाल्कन 9 रॉकेट की

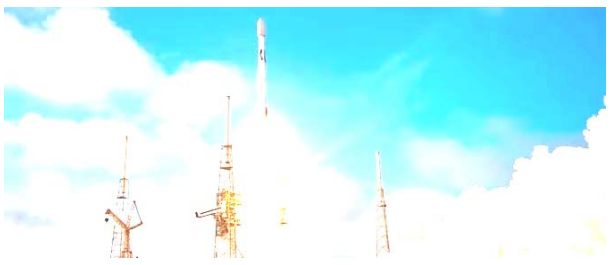

लॉन्च सेवाएं लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है। एक बयान में एनएसआईएल ने कहा, 'एनएसआईएल इसरो के जरिए GSAT-20 उपग्रह का निर्माण कर रहा है और इसे एनएसआईएल और स्पेसएक्स के बीच प्रक्षेपण सेवा अनुबंध के तहत फाल्कन-9 से प्रक्षेपित किया जाएगा।'
स्पेसएक्स का फाल्कन -9 जीटीओ में 8,300 किलोग्राम पेलोड रखने में सक्षम है।
अब तक इसरो भारी उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए फ्रांसीसी कंपनी एरियनस्पेस की सेवाओं का इस्तेमाल करता रहा है।

विपक्षी गठबंधन का क्या होगा ? क्या नीतीश ने मनवा ली अपने मन की बात ?

भाजपा ने अपना लक्ष्य तय कर लिया है। उसे 2024 के लोकसभा चुनाव में 400 के पार सीटें जीतनी हैं। प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इसका खाका तैयार करना शुरू कर दिया है। भाजपा मुख्यालय के सूत्र बताते हैं कि जनवरी 2024 के तीसरे सप्ताह के बाद तस्वीर भी साफ होनी शुरू हो जाएगी। दूसरी तरफ आईएनडीआई गठबंधन में बड़ा घमासान मचा है। हालांकि कांग्रेस मुख्यालय के सूत्र कह रहे हैं कि यह मीडिया में ज्यादा दिखाई दे रहा है। नेताओं के बीच में ऐसा कुछ नहीं है। समय पर सब ठीक हो जाएगा। इंडिया गठबंधन में सबसे बड़ा पेंच अभी मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस में है। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कई मोर्चों पर खुद को असहज पा रहे हैं। मल्लिकार्जुन खरगे अभी तक अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अपनी पूरी टीम नहीं बना पाए हैं। कल 4 जनवरी को खरगे ने सभी पार्टी महासचिवों, राज्यों के प्रभारी, प्रदेश अध्यक्षों और विधानसभा में नेता विरोधी दल के नेताओं की बैठक बुलाई है। यह बैठक 11 बजे पार्टी मुख्यालय में होनी है। इस बैठक में दो ही मुख्य मुद्दे हैं। पहला मुद्दा लोकसभा चुनाव 2024 पर चर्चा करना है। दूसरा मुद्दा 14 जनवरी 2024 से शुरू होने वाली राहुल गांधी 6200 किमी की भारत न्याय यात्रा है। यह यात्रा 14 राज्य, 85 जिलों से होकर 20 मार्च 2024 को मुंबई में संपन्न होगी। कोई 250-275 करोड़ रुपये का खर्च अनुमानित है। दोनों ही मुद्दे काफी समय से कांग्रेस अध्यक्ष को परेशान किए हैं। इसके दो बड़े कारण हैं। एक तो वह उम्रदराज हैं और लोकसभा चुनाव 2024 की चुनौती विकराल है। दूसरा चुनाव के संसाधन, भारत न्याय यात्रा के लिए संसाधन का इंतजाम भी कम पेचीदा काम नहीं है। लेकिन 14 अकबर रोड के सूत्र कहते हैं कि आजादी के आंदोलन से निकली पार्टी आसानी से इसका हल निकाल लेगी। एक पूर्व केंद्रीय मंत्री कहते हैं कि 310-315 लोकसभा

सीटों पर चुनाव लड़ना है। अभी तो हम सभी का ध्यान इसी पर केंद्रित है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को 400 सीटों के पार का लक्ष्य दिया है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की छवि, केंद्र सरकार के कामकाज, योजनाएं, राष्ट्रवाद और विश्व में भारत की छवि को आधार बना रही है। लगभग हर चुनाव में भाजपा का मुख्य ध्यान अपने उम्मीदवारों के चयन पर रहता है। इस बार भी भाजपा जिताऊ उम्मीदवारों को चिन्हित करने के लिए बड़े पैमाने पर होमवर्क कर रही है। माना जा रहा है कि जनवरी 2024 तक पार्टी अपने 100 प्रत्याशियों की घोषणा भी कर सकती है। पार्टी के तमाम नेता दबी जुबान से कहते हैं कि पार्टी 2024 में सफलता के लिए 30-35 फीसदी मौजूदा उम्मीदवारों के टिकट काट सकती है।

इतना ही नहीं 2024 के लोकसभा चुनाव में 40-45 फीसदी नए उम्मीदवारों को चुनाव लडने का अवसर मिल सकता है।

क्या नीतीश कुमार ने मनवा ली अपनी बात?

पटना के सूत्र बताते हैं कि नीतीश कुमार ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव से रिश्ते बेहतर रखते हुए खुद को अब राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय कर रहे हैं। ललन सिंह को अध्यक्ष पद से विदा करके नीतीश कुमार समय रहते लोकसभा के सभी जद(यू) सांसदों का मन भांप लेना चाहते हैं। इस कदम ताल में पहले नीतीश कुमार की भाजपा में खुद से सॉफ्ट कार्नर रखने वाले नेता की टेलीफोन वार्ता को अहम माना जा रहा है। हालांकि नीतीश के करीबी कहते हैं कि उनका इरादा अभी कोई पलटूराम बनने का नहीं लग रहा है। नीतीश के इस राजनीतिक दांव के बारे में बताते हैं कि लालू प्रसाद ने भी कांग्रेस को ताकीद कर दिया है। कांग्रेस के रणनीतिकार लोकसभा चुनाव 2024 से पहले अभी नीतीश की नाराजगी जैसा कोई बड़ा झटका नहीं मोल लेना चाहते। दूसरे कांग्रेस के नेता भी मानते हैं कि नीतीश कुमार अहम हैं। उनके राजनीतिक अनुभव और चेहरा दोनों की जरूरत है। मल्लिकार्जुन खरगे, राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार में आपसी संवाद चल रहा है। नीतीश कुमार को अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। भाजपा की गहरी नजर नीतीश के हर दांव पर... भाजपा के रणनीतिकार जानते हैं कि नीतीश कुमार के विपक्ष के साथ बने रहने से कितना बड़ा नुकसान हो सकता है? इस समय भाजपा और खासकर बिहार के नेताओं ने नीतीश कुमार पर राजनीतिक हमले की रफ्तार घटा दी है। जद(यू) में ही एक खेमा है।

यह कहना है कि यदि भाजपा लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव कराने, 40 में से लोकसभा की आधी सीटें जद(यू) को देने और भावी मुख्यमंत्री के चेहरे के तौर पर नीतीश कुमार को घेषित करके आगे आए, तो नीतीश को पिघलते देर नहीं लगेगी। सूत्र का कहना है कि नीतीश कुमार को जद(यू) को बिहार विधानसभा का तीसरे नंबर की पार्टी बनना पसंद नहीं है। वह जल्द से जल्द इस कलंक को धो लेना चाहते हैं। यह भाजपा के लिए पेचीदा मामला है। दूसरी तरफ झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भी प्रवर्तन निदेशालय का दबाव बढ़ रहा है। कांग्रेस के नेता सुबोध कांत सहाय कहते हैं कि इन सभी का मकसद क्या है, आपको नहीं पता? क्या केवल विपक्ष के नेता पर कार्रवाई के लिए ही प्रवर्तन निदेशालय है? सुबोध कांत के मुताबिक इसका मकसद केंद्र की सरकार द्वारा विपक्ष की सरकारों को अपदस्थ करना है। यही आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज भी कहते हैं। सौरभ का कहना है कि भाजपा नहीं चाहती कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल लोकसभा चुनाव 2024 के चुनाव प्रचार में हिस्सा न ले पाएं।

उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र, प.बंगाल में कैसे हो सीट शेयरिंग?

कांग्रेस के पूर्व सांसद और सपा के नेता बिजेंद्र सिंह कहते हैं कि उत्तराखंड, हरियाणा, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हिमाचल में कोई इंडिया गठबंधन की जरूरत नहीं है। दक्षिण भारत के राज्यों और पूर्वोत्तर में भी कांग्रेस का पुराना तालमेल चल रहा है। इसकी असल की जरूरत तो उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र, प.बंगाल, जम्मू-कश्मीर समेत अन्य राज्यों में है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कांग्रेस 20 सीट पर उत्तर प्रदेश, 5-6 सीट पर प. बंगाल, 6-7 सीट पर पंजाब, 3-4 सीट पर दिल्ली, 5-6 सीट पर बिहार में चुनाव लडना चाहती है। इसी तरह से महाराष्ट्र विधानसभा में कांग्रेस विपक्ष का सबसे बड़ा दल है। उसे अपनी हिस्सेदारी के हिसाब से सीटें चाहिए। विपक्ष के नेता कहते हैं कि असल का पेंच सीटों के बंटवारे को लेकर ही है। बताते हैं कि प. बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सहयोगी और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को 2-3 सीटें ही छोडने के लिए तैयार हैं।

महाराष्ट्र में एनसीपी (शरद पवार), शिवसेना (उद्धव ठाकरे) अपने दल में टूट के बाद भी सीटों में हिस्सेदारी के दावे को 2019 के अनुपात में बनाए रखना चाहते हैं। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी कांग्रेस के हिस्से में 20 से ज्यादा सीटें देने को तैयार नहीं है।

लोकसभा चुनावों से पहले 'जातिगत जनगणना' पर कांग्रेस का फोकस, झारखंड में सरना धर्म को देंगे मान्यता

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम अहमद मीर ने बुधार को झारखंड में जातिगत जनगणना की वकालत की। पार्टी के झारखंड प्रभारी मीर लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी की संगठनात्मक ताकत का जायजा लेने के लिए मंगलवार दोपहर यहां पहुंचे। उन्होंने चुनावों की रणनीति पर चर्चा करने के लिए कांग्रेस की विभिन्न इकाइयों के साथ कई बैठकों की अध्यक्षता की। जिसमें विधायक दल और राजनीतिक मामलों की समिति के अलावा लोकसभा सीट प्रभारियों के साथ भी बैठक हुई। विधायक दल की बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, मंत्री आलमगीर आलम, रामेश्वर ओरांव, बन्ना गुप्ता और बादल पत्रलेख मौजूद थे। एक बयान में कहा गया, राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक में एक प्रस्ताव पारित कर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को सीट बंटवारे पर अंतिम फैसले लेने के लिए अधिकृत किया गया। यह भी फैसला किया गया कि जिसे भी उम्मीदवार बनाया जाएगा, पार्टी के नेता और कार्यकर्ता उसका समर्थन करेंगे और उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने की दिशा में काम करेंगे। विधायक दल की बैठक को संबोधित करते हुए मीर ने कहा, 'हमारे राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी चाहते हैं कि झारखंड में भी जातिगत जनगणना होनी चाहिए, ताकि वंचित लोगों के लिए सरकारी योजनाओं और उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।' उन्होंने कहा, ओबीसी के लिए 27 फीसदी आरक्षण और सरना को एक अलग धर्म के रूप में मान्यता देने जैसे प्रस्ताव राज्य विधानसभा में पारित होने के बाद मंजूरी के लिए केंद्र के पास भेजे गए हैं। उन्होंने कहा, 'केंद्र इन महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर अब भी निष्क्रिय बैठा है। यह झारखंड के आदिवासियों के साथ धोखा है। इस संदेश को लोगों तक पहुंचाने की जरूरत है।'

अब तक निर्मा ण में लगा है सिर्फ ब्याज का पैसा, लक्ष्य से करीब चार गुना अधिक मिली समर्प ण निधि

देश-विदेश के रामभक्तों ने जब अपनी जेब खोली तो श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट को राम मंदिर बनाने के लिए लक्ष्य से करीब चार गुना समर्पण निधि मिल गई। इसी का नतीजा है कि रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के लिए अब तक मंदिर का जितना निर्माण हो सका है, उस पर सिर्फ समर्पण निधि का ब्याज ही खर्च हुआ है। ट्रस्ट के एक सदस्य ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और ट्रस्ट ने राम मंदिर निर्माण के लिए वर्ष 2020-21 में समर्पण निधि अभियान शुरू किया था। इसमें करीब 11 करोड़ लोगों से 900 करोड़ रुपये जमा करने का लक्ष्य रखा गया था। जबकि दुनिया भर के रामभक्तों ने राम मंदिर का सपना पूरा होने की खुशी में दिल खोलकर धन दिया। उन्होंने बताया कि करीब 18 करोड़ लोगों ने पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा व एसबीआई भारतीय स्टेट बैंक के खाते में करीब 3,200 करोड़ रुपये समर्पण निधि जमा की है। ट्रस्ट ने इन बैंकों में पैसे की एफडी करा दी है। इससे मिलने वाले ब्याज से ही मंदिर का वर्तमान स्वरूप तक का निर्माण हुआ है। हालांकि फर्श समेत कुछ अन्य कार्यों के लिए अब मूलधन से कुछ राशि निकालनी पड़ेगी। ऐसे में वर्ष 2026-27 तक मंदिर व इसके परिसर में बनने वाले विश्राम गृह, चिकित्सालय, भोजनशाला, गौशाला आदि के निर्माण में बमुश्किल पूरी समर्पण निधि खर्च हो सकेगी।

रानी दुर्गा वती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना में किसानों को 10 रुपये किलो देगी सरकार, कै बिनेट में मंजूरी

मध्य प्रदेश सरकार की नवगठित मंत्रिमंडल की पहली कैबिनेट बैठक बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में जबलपुर में आयोजित हुई। बैठक राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम गायन के साथ प्रारंभ हुई। नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कैबिनेट की जानकारी देते हुए बताया कि कैबिनेट ने रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना शुरू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस योजना में श्रीअन्न (मिलेट्स) उत्पादन करने वाले किसानों को प्रतिकिलो 10 रुपये सरकार प्रोत्साहन राशि देगी। यह राशि सीधे उनके खाते में ट्रांसफर की जाएगी। इसका उद्देश्य श्रीअन्न यानी मोटे अनाज के प्रति लोगों की रूचि बढ़ाना और उसको उत्पादन करने वाले पिछड़े लोगों को लाभ पहुंचाना है। यह गरीब की गरीबी दूर करने का महत्वपूर्ण उपक्रम है।

रानी दुर्गावती और अवंतिकाबाई के नाम पर सम्मान

मंत्री विजयवर्गीय ने बताया कि रानी दुर्गावती और रानी अवंतिका बाई लोधी के प्रति अपनी श्रद्धा समर्पित करते हुए जबलपुर में कैबिनेट बैठक आयोजित की गई। दोनों ही महान महिला रानियों ने इस समाज में अपने साहस और वीरता के माध्यम से विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष किया। इसलिए उनको आदर्श मानकर राज्य सरकार ने फैसला किया कि दोनों ही महिला रानी अवंतिका बाई लोधी और रानी दुर्गावती के नाम पर सम्मान हर वर्ष आयोजित किया जाएगा।

यह सम्मान समाज में विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष कर समाज सेवा करने वाली महिलाओं को दिया जाएगा। साथ ही दोनों रानियों के जीवन पर आधारित पाठ्यक्रम को यूनिवर्सिटी और कॉलेज में शामिल किया जाएगा। उन पर अध्ययन करने के लिए विद्यार्थियों को फैलोशिप दी जाएगी।

सम्पादकीय

जल्द निकले हल, ड्राइवरों की हड़ताल

ट्रक ड्राइवरों की हड़ताल का आज तीसरा दिन है। पिछले दो दिनों से देशभर में ड्राइवरों की हड़ताल का असर देखने को मिला है। हड़ताल की वजह से पेट्रोल पंप पर लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। नए साल के पहले दिन से ही शुरू हुई ट्रक ड्राइवरों की हड़ताल ने गंभीर स्थिति उत्पन्न कर दी है। देश के कई शहरों में पेट्रोल पंपों के सामने गाड़ियों की लंबी-लंबी कतारें दिख रही हैं। लोग इस आशंका में भी अपनी-अपनी गाड़ियों की टंकी फुल करा रहे हैं कि पता नहीं आगे पेट्रोल मिले या न मिले। यात्रियों को परेशानियां हो रही हैं सो अलग। सबसे बड़ी बात ट्रकों का चलना लगभग रुक गया है।

असोसिएशन पीछे : इस हड़ताल के साथ खास बात यह है कि इसमें आम ड्राइवर आगे हैं और ट्रांसपोर्टर्स असोसिएशन पीछे। मंगलवार यानी हड़ताल के दूसरे दिन तक यह स्थिति थी कि असोसिएशन से जुड़े पदाधिकारी कह रहे थे, हमने अभी तक हड़ताल का कोई आह्वान नहीं किया है। हड़ताल के पीछे मुख्यत: आम ड्राइवरों में फैली डर की भावना मानी जा रही है।

नए कानून का डर: दरअसल, संसद में पिछले महीने पारित न्याय संहिता में हिट एंड रन मामलों में किए गए कड़े प्रावधान से यह स्थिति पैदा हुई है। इसके मुताबिक लापरवाही से गाड़ी चलाकर गंभीर सड़क दुर्घटना का कारण बने ड्राइवर अगर पुलिस या प्रशासन को सूचित किए बगैर मौके से फरार हो जाते हैं तो उन्हें 7 लाख रुपये का जुर्माना और 10 साल तक की कैद हो सकती है। अब तक IPC में लापरवाही से मौत के मामलों में दो साल तक की कैद का प्रावधान था।

ड्राइवरों की चिंता : हड़ताल पर गए ड्राइवरों का कहना है कि कोई भी डाइवर दुर्घटना जान-बूझकर नहीं करता क्योंकि इसमें उसकी अपनी जान भी दांव पर लगी होती है। दूसरी बात यह कि दुर्घटना के बाद मौके पर बने रहना उसके लिए खतरनाक होता है क्योंकि हादसे के बाद जमा पब्लिक का गुस्सा प्राय: सही-गलत की चिंता किए बगैर बड़ी गाड़ी के ड्राइवर पर निकलता है।

कई पहलू हैं : हालांकि हिट एंड रन मामलों के लिए बने इस कानून के भी कई पहलू हैं। लापरवाही से गाड़ी चलाना एक गंभीर मामला है। मामूली सजा का प्रावधान ड्राइविंग को गंभीरता से लेने का कल्चर डिवेलप करने की राह में रोड़ा माना जा रहा था। इसके अलावा सड़क हादसों का शिकार हुए विक्टिम परिवारों का पक्ष भी है, जो कानून के कड़े प्रावधानों की जरूरत को रेखांकित करता है।

संवादहीनता : फिर भी ड्राइवरों की हड़ताल से जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है, उससे साफ है कि कानून बनाते हुए इससे पैदा होने वाली स्थितियों का सही अंदाजा नहीं लगाया जा सका। ट्रांसपोर्ट असोसिएशनों की शिकायत है कि कानून बनाने से पहले उनसे किसी तरह की बातचीत नहीं की गई थी।

गतिरोध न हो : मौजूदा हालात में बातचीत करके मामले को जल्द से जल्द सुलझाने की जरूरत है। किसी भी स्थिति में अड़ियल रवैया अपनाना सभी पक्षों के लिए अत्यधिक नुकसानदेह साबित होगा।

नए साल में क्या बंद होगा रेवड़ी कल्चर? कई राज्यों की बिगड़ रही आर्थिक सेहत

नया साल चुनावों के लिहाज से तूफानी और अहम होने जा रहा है। आम चुनावों की उलटी गिनती शुरू हो ही चुकी है। इसके साथ ही इस साल सात राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव तय हैं। आंध्र प्रदेश, अरुणाचल, ओडिशा, झारखंड, सिक्किम, महाराष्ट्र और हरियाणा की विधानसभाओं का चुनावी शंखनाद इसी साल होना है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय की गई समयसीमा को देखते हुए जम्मू-कश्मीर की विधानसभा भी इसी साल बहाल हो सकती है। चाहे लोकसभा के चुनाव हों या विधानसभाओं के, एक चीज कॉमन रहने वाली है। लोकलुभावन मुफ्तिया वायदों की भरमार इन चुनावों में रहने वाली है।

सत्ता केंद्रित नजरिया

वोट एक तरह से चुनावी फसल हो चुका है, जिसकी भरपूर पैदावार के लिए राजनीतिक दल लोकलुभावन वायदों की खाद का भरपूर इस्तेमाल कर रहे हैं। अजीब बात यह है कि हर दल मुफ्तिया वायदों को राज्यों की बदहाल आर्थिक सेहत का जिम्मेदार मान चुका है, लेकिन सत्ता के मोह में वे ऐसे वायदों के ऐलान से खुद को रोक नहीं पाते।

आर्थिक बोझ

ये दल भूल जाते हैं कि लोकलुभावन वायदों को पूरा करना आने वाले दिनों में मुश्किल साबित होगा। इससे राज्य की आर्थिक सेहत खराब होगी और आखिरकार उसकी कीमत वोटरों को ही चुकानी पड़ेगी।

तर्क और वितर्क

पिछले कुछ चुनावों से BJP मुफ्तिया वायदों का विरोध कर रही है। हालांकि दूसरे दलों को मुफ्तखोरी पर लगाम लगाने का उसका तर्क रुच नहीं रहा। विपक्षी दलों की दलील है कि अगर अस्सी करोड़ लोगों को BJP सरकार मुफ्त राशन दे, किसानों को सम्मान निधि दे या वक्त-बेवक्त जन-धन खातों में महिलाओं को सम्मान राशि दे तो उसे गारंटी क्यों माना जाए, उसे लोकलुभावन मुफ्तखोरी क्यों न माना जाए? ध्यान रहे, BJP इसे गारंटी बताती है।

क्या है सच

भले ही चुनावी गारंटी से राज्यों की आर्थिक सेहत खराब हो रही हो, लेकिन इनके जरिए सत्ता हासिल करते ही पार्टियां इसे राज्य की लोककल्याणकारी भूमिका का विस्तार बताने लगते हैं। दिलचस्प है कि लोककल्याणकारी मानने के बावजूद ऑफ द रेकॉर्ड इस मुफ्तखोरी को ये दल भी आर्थिक सेहत के लिए मुफीद नहीं मानते।

5 राज्यों की निशानदेही

इसकी तस्दीक रिजर्व बैंक की साल 2022 में आई एक रिपोर्ट भी करती है। रिजर्व बैंक ने राज्यों की आर्थिक सेहत को लेकर 'स्टेट फाइनेंसेसः अ रिस्क एनालिसिस' नाम से रिपोर्ट जारी की थी। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि पांच राज्यों – पंजाब, राजस्थान, बिहार, केरल और पश्चिम बंगाल – की आर्थिक हालत लगातार खराब होती जा रही है।

सबसिडी में बढ़ोतरी

CAG के आंकड़ों के हवाले से तैयार इस रिपोर्ट में रिजर्व बैंक ने बताया कि लोकलुभावन वायदों को पूरा करने के चलते राज्यों का सबसिडी पर खर्च लगातार बढ़ रहा है। साल 2020-21 में राज्यों ने अपने कुल खर्च का करीब 11.2 प्रतिशत सबसिडी पर किया था, जो साल 2021-22 में बढ़कर 12.9 प्रतिशत हो गया। इसी रिपोर्ट में बताया गया है कि झारखंड, केरल, ओडिशा, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश में यह खर्च बढ़ा है।

मुफ्त बिजली, पानी, यात्रा

गुजरात, पंजाब और छत्तीसगढ़ ने अपने राजस्व खर्च का दसवें से कुछ ज्यादा हिस्सा अकेले सबसिडी पर खर्च किया है। मुफ्त बिजली, पानी, यात्रा, बिल और कर्ज माफी जैसे मदों में जो खर्च हो रहा है, उसके बदले में राज्यों को कोई आर्थिक फायदा नहीं हो रहा।

बढ़ रहा चलन

पंजाब और दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने तकरीबन मुफ्त बिजली, पानी और महिला बस यात्रा का जो मॉडल पेश किया है, उसे तकरीबन सभी गैर-बीजेपी सरकारें अपनाती जा रही हैं। कर्नाटक, हिमाचल और अब तेलंगाना में कांग्रेस भी ऐसे ही कदम उठा रही है।

पंजाब, राजस्थान का हाल

पंजाब रोडवेज और बिजली विभाग की हालत खस्ता है। प्रति व्यक्ति कर्ज के हिसाब से पंजाब देश का सबसे बड़ा कर्जदार राज्य बन चुका है। उस पर कुल तीन लाख 27 हजार करोड़ का कर्ज है। पंजाब का कुल कर्ज कुल GDP का तकरीबन आधा हो चुका है। कर्जदार राज्यों की लिस्ट में राजस्थान दूसरे स्थान पर है। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2022-23 के दौरान राजस्थान का कुल कर्ज पांच लाख करोड़ से ऊपर हो गया है।

घाटा बढ़ेगा

कर्ज के मामले में तीसरे नंबर पर बिहार है। सस्ती गैस, महिलाओं को सम्मान राशि आदि गारंटियों को पूरा करने के लिए मध्य प्रदेश पर भी दबाव बढ़ना ही है। मध्य प्रदेश पर 3.31 लाख करोड़ का कर्ज है। इसी तरह कर्नाटक में कांग्रेस अपने घोषित गारंटियों को पूरा करने में लगी है, जिन पर अनुमान है कि पांच साल में राज्य को साठ हजार करोड़ खर्च करने पड़ेंगे। इससे राज्य का राजस्व घाटा बढ़कर एक लाख 14 हजार करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

आंध्र सबसे आगे

आंध्र प्रदेश की कुल बकाया देनदारियां चार लाख 42 हजार 442 करोड़ रुपये हैं। इसके बावजूद, लोकलुभावन योजनाओं पर खर्च करने में पहले नंबर पर आंध्र ही है। इन योजनाओं पर उसका सालाना खर्च करीब 27, 541 करोड़ रुपये है। इसके बाद 21 हजार करोड़ खर्च के साथ मध्य प्रदेश दूसरे नंबर पर है, जबकि पंजाब सत्रह हजार करोड़ खर्च कर रहा है।

लोकहित में सोचें

क्या इस नए चुनावी साल में राजनीतिक दल ऐसे संकल्प ले सकते हैं कि वे मिलकर फ्रीबीज यानी मुफ्तखोरी के वायदों से बचेंगे? वे लोकलुभावन वायदों के बजाय ठोस रणनीति और नीतियों की बुनियाद पर चुनाव लड़ेंगे और जनसमर्थन हासिल करने का ठोस कदम उठाएंगे? दीर्घकालीन लोकहित में आज नहीं तो कल उन्हें ऐसा करना ही होगा।

अंतरिक्ष स्टार्ट अप ध्रुव स्पेस और बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस का परीक्षण सफल, DRDO-IIST ने की पुष्टि

इसरो की पी.ओ.ई.एम पहल के तहत दो भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप ने सफलता हासिल की है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अंतरिक्ष स्टार्टअप ध्रुव स्पेस ने अपने पी30 सैटेलाइट प्लेटफॉर्म और बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस ने ग्रीन प्रोपल्शन सिस्टम का सफलतपूर्वक परीक्षण किया है।

आईआईएसटी ने की पुष्टि

हैदराबाद स्थित ध्रुव स्पेस ने एक बयान जारी कर कहा कि लॉन्चिंग एक्सपीडिशन फॉर एस्पायरिंग पेलोड्स- टेक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर के सफल परीक्षण के कारण हमारे उपग्रह मिशन को शुरू करने में मदद मिलेगी। ध्रुव स्पेस का कहना है कि पी-30 प्लेटफॉर्म के कारण विभिन्न उप-प्रणालियों को कक्षा में स्थापित किया गया, जिसकी पुष्टि तिरुवनंतपुरम स्थित आईआईएसटी के ग्राउंड स्टेशन ने की। आईआईएसटी ने टेलीमेट्री और बीकन डेटा से दावे की पड़ताल की गई। स्टार्ट-अप कंपनी ध्रुव स्पेस का

कहना है कि वह पहले ही लीप-1 उपग्रह मिशन की कल्पना कर चुके हैं। जल्द ही इसे लॉन्च किया जाएगा। ध्रुव द्वारा होस्ट किए पेलोड को मुख्य अंतरिक्ष यान से स्वतंत्र रूप से संचालित किया जा सकता है। हालांकि, उपग्रह की बिजली आपूर्ति सहित अन्य मामलों ग्राउंड सिस्टम अहम है। कंपनी द्वारा होस्ट की गई पेलोड में कई खूबियां हैं, जिसमें समयसीमा, लागत शामिल है।

बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस के सफलता की डीआरडीओ ने की घोषणा

वहीं, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस के उच्च प्रदर्शन वाली हरित प्रणोदन प्रणाली के सफल परीक्षण की पुष्टि की। बेलाट्रिक्स का यह प्रोजेक्ट डीआरडीओ के प्रौद्योगिकी विकास कोष द्वारा समर्थित था। डीआरडीओ ने एक्स पर ट्वीट कर बताया कि विकसित तकनीक पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित है। इससे उपग्रहों की लागत कम हो जाएगी। यह अंतरिक्ष क्षमताओं को बढ़ाने में अहम है।

अंतरिक्ष के लिए निजी क्षेत्र की उड़ान

नए साल में करीब 600 भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप नई उड़ान भर सकते हैं। भारतीय कंपनियां पृथ्वी की निचली कक्षा में उपग्रह भेजने की क्षमता दिखा सकती हैं। इससे देश में उपग्रह प्रक्षेपण व्यवसाय को बढ़ावा मिलेगा। साल की पहली छमाही में स्काईरूट कंपनी के विक्रम-1 रॉकेट का प्रक्षेपण प्रस्तावित है। इसके अलावा, अग्निकुल कॉसमॉस कंपनी 3डी प्रिंटेड रॉकेट का परीक्षण कर सकती है। पिक्सल कंपनी इस साल 6 और 2025 में 18 उपग्रह अंतरिक्ष में भेजेगी। मानसिक और शारीरक शक्ति में कमी तो आती ही है अपितु आर्थिक संशाधनों में भी कमी होती है। धूम्रपान,शराब और नशे के आदी हो गए लगों में तो यह लत ऐसी घर कर जाती है कि ब्यक्ति की सोचने समझने की शक्ति भी क्षीण हो जाती है।

किसी भी लत को ब्यक्ति विशेष छोड़ना तो चाहता है लेकिन वह लत के आगे नत मस्तक सा हो जाता है क्योकि यह लत उसे अपना गुलाम बना देती है। किसी भी लत या आदी हो जाने के क्या कारण हो सकते हैं ?

सैंडपेपर कांड के बाद यह कहना मुश्किल की वॉर्नर को जनता से पूरा सम्मान मिलेगा : कैटिच

सिडनी। आस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर साइमन कैटिच का मानना है कि 2018 के गेंद से छेड़खानी प्रकरण के मद्देनजर डेविड वॉर्नर को जनता का पूरा सम्मान नहीं मिलेगा क्योंकि देश में कई लोगों को अब तक यकीन नहीं होता कि उस समय उनकी टीम ने क्या किया। तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ, उपकप्तान वॉर्नर और कैमरन बेनक्रॉफ्ट को 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट में सैंडपेपर गेट कांड के बाद प्रतिबंध का सामना करना पड़ा था। वॉर्नर पर आजीवन प्रतिबंध लगाया गया था और उनकी छवि भी खराब हुई। कैटिच का मानना है कि पांच साल बाद भी उन्हें पूरी तरह से माफी नहीं मिली है। उन्होंने सेन रेडियो से कहा , यह कहना मुश्किल है कि उन्हें पूरा सम्मान मिलेगा क्योंकि लोगों को वह घटना पसंद नहीं आई थी और आनी भी नहीं चाहिए थी। कइयों को यकीन ही नहीं हुआ कि आस्ट्रेलियाई टीम ऐसा भी कर सकती है। सिडनी में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट के बाद टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने जा रहे वॉर्नर वनडे से भी संन्यास ले चुके हैं। कैटिच ने हालांकि कहा कि उस घटना के लिए वॉर्नर को पूरी तरह से दोषी नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा , पूरी घटना के लिए उन्हें दोषी कहना गलत होगा। कैमरन बेनक्रॉफ्ट और स्टीव स्मिथ भी इसमें शामिल थे लेकिन लोगों को लगता है कि इन तीनों के अलावा भी इसमें और लोग जुड़े थे।

हैरान हूं कि दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया: गावस्कर

केपटाउन। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने बुधवार को भारत के खिलाफ दूसरे और अंतिम टेस्ट में दक्षिण अफ्रीकी कप्तान डीन एल्गर के टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के फैसले पर हैरानी व्यक्त की। एल्गर का फैसला उन पर भारी पड़ गया क्योंकि दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली पारी में 55 रन पर ढेर हो गई जो भारत के खिलाफ उसका सबसे कम स्कोर था। भारतीय टीम भी पहली पारी में 153 रन पर सिमट गई जिससे उसने 98 रन पर बढ़त हासिल की। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स पर अपने मैच विश्लेषण में कहा, जो कुछ हुआ उससे मैं थोड़ा हैरान था। क्योंकि काफी दफा कप्तान और कोच पिच के बारे में काफी चर्चा करते हैं। गावस्कर ने कहा कि पहले टेस्ट में भारत को पारी से हराने के बाद दक्षिण अफ्रीका के पास उन्हें पहले बल्लेबाजी कराकर दबाव बनाने का अच्छा मौका था। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आपको भारतीय टीम के मनोदशा को भी देखना था। दूसरी पारी में इतनी खराब बल्लेबाजी से पारी से हारने के बाद इस नई पिच पर पहले बल्लेबाजी करना थोड़ा रक्षात्मक होता। गावस्कर ने कहा, दक्षिण अफ्रीका के पास जो तेज गेंदबाज हैं, वे उनकी बदौलत फायदा उठा सकते थे उन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ 2020-21 में एडीलेड टेस्ट को भी याद किया जिसमें भारतीय टीम महज 36 रन पर आउट हो गई थी और उसने मेलबर्न टेस्ट में वापसी करते हुए चार मैचों की श्रृंखला में 2-। की यादगार जीत हासिल की थी।

कैरियर की शुरुआत में भारतीय टीम के खिलाफ खेलना खास अनुभव : डि जोर्जी

केपटाउन। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शुरूआती कदम रख रहे दक्षिण अफ्रीका के युवा बल्लेबाज टोनी डिजोर्जी ने कहा कि भारत के खिलाफ खेलना उनके लिए खाय अनुभव है क्योंकि जिन खिलाड़ियों को वह टीवी पर देखा करते थे, अब उनके खिलाफ खेल रहे हैं। अब तक सिर्फ तीन टेस्ट और पांच वनडे खेल चुके डिजोर्जी ने पीटीआई को दिए इंटरव्यू में कहा , यह मेरे लिए खास अनुभव रहा है। कैरियर की शुरूआत में भारत के खिलाफ अच्छा अच्छा खेलना और उन खिलाड़ियों के खिलाफ खेलना जिन्हें अब तक टीवी पर ही देखा है। यह शानदार अनुभव है। उन्हें देखकर जमैका के मशहूर रेगे गायक बॉब मार्ले की याद आती है जिनके घुंघराले बाल चेहरे पर लहराते थे।वहीं भुजाओं पर बने टैटू एमएमए फाइटर होने का आभास देते हैं लेकिन उनकी शख्सियत का सबसे दिलकश पहलू उनका मजाकिया स्वभाव है। डिजोर्जी ने अपनी एक इंस्टाग्राम रील पर अभ्यास सत्र की वीडियो डालते हुए कहा , अभ्यास के दौरान जिस तरह से मैं थ्रोडाउन पर पंच लगाता हूं, मुझे तो मुक्केबाज होना चाहिए था। इतालवी मां और नाइजीरियाई पिता से जन्में डिजोर्जी ने भारत के खिलाफ वनडे में पहला अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा और अगले मैच में 81 रन बनाए। उन्होंने कहा , क्रिकेट बहुत कठिन है और आप कड़ा अभ्यास करते रहते हैं। इसमें गलतियां भी होती हैं। मैं हंसी मजाक के बीच माहौल को हल्का बनाए रखने में विश्वास करता हूं। अभ्यास के दौरान गलतियों में सुधार भी करता रहता हूं। उन्होंने कहा , मैं सुबह प्रार्थना करता हूं और उसके बाद कड़ा अभ्यास करता हूं। मैं अपने खेल का पूरा मजा लेने की कोशिश करता हूं।

जूनियर पहलवानों के प्रदर्शन के बाद तदर्थ पैनल ने अंडर-15 और अंडर-20 चैंपियनशिप की घोषणा की

नई दिल्ली। भारत मे कुश्ती का संचालन कर रहे तदर्थ पैनल ने बुधवार को अगले छह सप्ताह के अंदर अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन की घोषणा की।इससे पहले जूनियर पहलवानो ने जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया और भारतीय ओलंपिकसंघ द्वारा गठित पैनल को भंग करने की मांग की।पैनल ने युवा पहलवानो की चिंता को समझा, जिनका करियर पिछले एक साल से शीर्ष पहलवानो के विरोध के कारण अधर मे लटका हुआ है। जनवरी 2023 के बाद राष्ट्रीय शिविर या जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन नही किया गया है।

मोहन बागान ने मुख्य कोच फर्नांडो से नाता तोड़ा, हबास होंगे अंतरिम मुख्य कोच

कोलकाता। मोहन बागान सुपर जायंट ने इंडियन सुपर लीग मे क्लब के खराब प्रदर्शन के बाद बुधवार को अपने मुख्य कोच जुआन फर्नांडो से नाता तोड़ने का फैसला किया।
इंडियन सुपर लीग फ्रेंचाइजी ने घोषणा की कि तकनीकी निदेशक अंतोनियो हबास को अगले हफ्ते होने वाले क्लिंग सुपर कप के लिए अंतरिम कोच बनाया गया है। फर्नांडो को दिसंबर 2021 मे मुख्य कोच नियुक्त किया गया था, तब वह एफसी गोवा से कोलकाता के इस क्लब से जुड़े थे।

कमिंस के पांच विकेट, पाकिस्तान ने 313 रन बनाए

आस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने लगातार तीसरी बार पारी के पांच विकेट लेकर पाकिस्तान के शीर्षक्रम को झकझोर दिया लेकिन निचले क्रम के बल्लेबाजों के जुझारू प्रदर्शन के दम पर मेहमान टीम ने तीसरे और आखिरी क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन 313 रन बनाए।

लंच के बाद पाकिस्तान का स्कोर पांच विकेट पर 96 रन था और लग रहा था कि टीम सस्ते में सिमट जाएगी। इससे पहले पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया था। विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के 88 रन, आगा सलमान और आमिर जमाल के अर्धशतकों की मदद से पाकिस्तान ने वापसी की।

आस्ट्रेलिया ने पहले दिन का खेल समाप्त होने पर बिना किसी नुकसान के छह रन बनाए थे। अपना आखिरी टेस्ट खेल रहे डेविड वॉर्नर और उस्मान ख्वाजा को स्पिनर साजिद खान ने काफी परेशान किया। वॉर्नर ने पहली गेंद पर चौका लगाया लेकिन अगली गेंद पर बाल बाल बचे। इस टेस्ट में पूरा फोकस भले ही वॉर्नर पर होइ लेकिन तेज गेंदबाजों ने पहले दिन सुर्खियां बंटोरी। मिचेल स्टार्क ओर जोश हेजलवुड ने पहले दोनों ओवर में विकेट लिए। इसके बाद कमिंस ने मोर्चा संभाला जो मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट में दस विकेट ले चुके हैं। उन्होंने बाबर आजम समेत दो कीमती विकेट चटकाए। स्टार्क ने शफीक को दूसरी स्लिप में स्टीव स्मिथ के हाथों लपकवाया। वहीं अगले ओवर में हेजलवुड ने पहला टेस्ट खेल रहे सैम अयूब को एलेक्स कारी के हाथों कैच आउट कराया। दो विकेट चार रन पर गिरने के बाद बाबर और शान मसूद ने मोर्चा संभाला। कमिंस ने बाबर (26) को आउट करके पाकिस्तान को हरारा झटका दिया। मैदानी अंपायर ने पहले बल्लेबाज के पक्ष में फैसला दिया था लेकिन टीवी अंपायर ने उसे बदल दिया। सउद शकील को कमिंस ने दूसरा शिकार बनाया। कप्तान मसूद और रिजवान ने 49 रन की साझेदारी की जिसे तोड़ते हुए मिचेल मार्श ने मसूद को पवेलियन भेजा। रिजवान ने इस बीच अपना अर्धशतक पूरा किया लेकिन शतक बनाने से चूक गए और कमिंस की गेंद पर हेजलवुड को कैच दे बैठे। साजिद को मिडविकेट पर नाथन लियोन के हाथों लपकवाकर कमिंस ने अपना चौथा विकेट लिया। वहीं हसन अली (0) उनका पांचवां शिकार बने जिन्हें डीप में स्टार्क ने लपका।

नवारो आक्लैंड टेनिस के क्वार्टर फाइनल में

आकलैंड। अमेरिका की पूर्व युवा स्टार अमांडा अनिसिमोवा ने आठ महीने के ब्रेक के बाद वापसी करते हुए आकलैंड टेनिस क्लासिक के दूसरे दौर में मारी बूजकोवा को 6 - 0, 6 -1 से हराया। मानसिक स्वास्थ्य कारणों और थकान की वजह से टेनिस से ब्रेक लेने के बाद अमांडा ने वापसी की है। अमेरिकी ओपन जूनियर चैम्पियन रह चुकी अमांडा फ्रेंच ओपन 2019 सेमीफाइनल खेल चुकी हैं।

वंदना कटारिया चोटिल होने के कारण ओलंपिक क्वालीफायर से हो गईं बाहर

रांची।भारतीय महिला हॉकी टीम की अनुभवी फारवर्ड वंदना कटारिया चोटिल होने के कारण ओलंपिक क्वालीफायर से बाहर हो गई हैं जो 13 से 19 जनवरी के बीच होने वाले इस टूर्नामेंट से पहले भारत के लिए करारा झटका है। वंदना को टीम का उप कप्तान नियुक्त किया गया था लेकिन अभ्यास के दौरान उनके गाल की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया। उनकी जगह युवा बलजीत कौर को टीम में लिया गया है। ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली झारखंड की पहली महिला खिलाड़ी निक्की प्रधान को टीम का उप कप्तान नियुक्त किया गया है।भारतीय टीम की मुख्य कोच यानेक शोपमैन ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है की वंदना टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं बन पाएगी। अभ्यास सत्र के दौरान वह चोटिल हो गई और उन्हें विश्राम करने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा, हमें जहां वंदना के अनुभव की कमी खलेगी वहीं बलजीत कौर को उनकी जगह अपना कौशल दिखाने का मौका मिलेगा जबकि निक्की प्रधान टीम की उप कप्तान होगी। गोलकीपर सविता पूनिया की अगुवाई वाली भारतीय टीम अपना पहला मैच 13 जनवरी को अमेरिका के खिलाफ खेलेगी। भारतीय टीम पूल बी में अपना दूसरा मैच 14 जनवरी को न्यूजीलैंड से खेलेगी और 16 जनवरी को इटली से भिड़ेगी। नॉकआउट चरण के मैच 18 और 19 जनवरी को खेले जाएंगे।इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली अन्य टीमों में जर्मनी, एशियाई खेलों का चैंपियन जापान, चिली और चेक गणराज्य हैं। इन्हें पूल ए में रखा गया है।

मन के भटकाव से बीपी हाई, इम्यूनिटी कमजोर:मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम से बचाएगा 'माइंडफुलनेस', जानिए- ये अचूक फायदे

आजकल जिम या खुले में एक्सरसाइज करते समय ईयरफोन या अन्य इलेक्ट्रोनिक गैजेट्स का उपयोग करना आम बात है। अगर घर पर इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स भूल भी जाते हैं तो बहुत जल्दी परेशान हो उठते हैं। इसी तरह खाना खाते समय टीवी देखना लोगों की बहुत पुरानी आदत है। इसे लेकर घर के बड़े बुजुर्गों से जरूर सुना होगा कि खाना खाने पर फोकस करो, वरना शरीर में खाना नहीं लगता। एक साथ कई काम करने को लोग 'स्पेशल पॉवर' के बतौर देखते हैं। ऐसे लोगों को ज्यादा कर्मठ समझा जाता है।

इंग्लैंड की 'यूनिवसिर्टी ऑफ बाथ' की नई स्टडी बताती है कि अगर फिजिकल एक्टिविटी को माइंडफुल होकर करेंगे तो यह मेंटल हेल्थ के लिए बहुत फायदेमंद है। साथ ही किसी भी तरह के तनाव, एंग्जाइटी या डिप्रेशन को कम करने और जीवन में एक पॉजिटिव बदलाव लाने के लिए माइंडफुलनेस बेहद कारगर है।

यानी कोई भी काम करते समय इधर उधर की बातों से ध्यान हटाकर सिर्फ उसी पर पूरी तरह फोकस लगाने से मेंटल हेल्थ में बदलाव लाया जा सकता है। यह रिसर्च बताती है कि एक बार में किसी एक ही काम पर ध्यान लगाना 'साधना', यानी मेडिटेशन की तरह है। इसके इस्तेमाल से कई तरह की मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम से निजात पाया जा सकता है।

देश के लिए मेंटल हेल्थ एक बड़ी समस्या

भारत के लिए मेंटल हेल्थ एक बहुत बड़ी समस्या है। काम, पढ़ाई या पारिवारिक कारणों से चलते तनाव, एंग्जाइटी या डिप्रेशन लोगों पर हावी हो रहा है। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 15 से 24 वर्ष के बीच के सात में से एक युवा हमेशा खुद को डिप्रेश फील करता है या उसे काम करने में बहुत कम रुचि होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी WHO के आंकड़े बताते हैं कि भारत में प्रति लाख लोगों पर आत्महत्या की औसत दर 10.9 है। हैरत की बात यह है कि अपनी मेंटल हेल्थ के बारे में ज्यादातर लोगों को जानकारी ही नहीं है। जिसकी वजह से आए दिन युवा आत्महत्या कर रहे हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी NCRB के अनुसार वर्ष 2021 में 13 हजार से ज्यादा छात्रों से आत्महत्या कर ली। देश-दुनिया में मेंटल हेल्थ प्रॉब्मल में भयावहता तो हमने जान

ली है अब आइए इससे निपटने के आसान तरीके, यानी 'माइंडफुलनेस' और इसे बरतने के सही तरीके को जान लेते हैं

क्या है यह माइंडफुलनेस

माइंडफुलनेस अपने मन को समझने और वर्तमान में रहने का एक तरीका है। जिससे आसपास की घटनाओं को लेकर मन के आए विचारों से ध्यान हटाकर सिर्फ वर्तमान की परिस्थिति पर ध्यान केंद्रित करना है। अक्सर आपने देखा होगा कि लोग अपने काम को लेकर लचीलापन या लापरवाह रवैया अपनाते हैं और बाकी इधर उधर की चीजों को लेकर ध्यान भटकाते रहते हैं। ऐसे में खाना खाते समय बस खाने पर ध्यान देना, खेलते समय खेल के बारे में सोचना या कोई भी काम करते समय सिर्फ उसी काम को लेकर फोकस रहना ही माइंडफुलनेस है।

एक बार में चार चीजें करें तो दिमाग होता है घायल

कई बार ऐसा लगता है कि दिमाग आपके हिसाब से काम नहीं कर रहा है। यह दिमागी उथल-पुथल ध्यान को एक जगह केंद्रित नहीं होने देती। जब आपके दिमाग में कई विचार एक साथ चल रहे होते हैं तो दिमाग जल्दी थकान महसूस करता है। जिससे दिमाग कुछ भी निर्णय लेने की स्थिति में नहीं पहुंच पाता है। नतीजतन, उसका असर हमारे काम और व्यवहार पर साफ दिखता है।

माइंडफुलनेस नहीं रहने का नुकसान, अबसेंस माइंडेड होना

दिमाग में बहुत ज्यादा विचार से दिमाग को आराम नहीं मिल पाता है। कई लोगों में विचार केवल वर्तमान की समस्याओं को लेकर नहीं, बल्कि अतीत की घटनाओं और भविष्य की चिंता को लेकर होते हैं। बार बार एक ही चीज के बारे में सोचने से नेगेटिव विचार आते हैं। जिससे मानसिक बीमारियों के साथ फिजिकल रूप से भी आप परेशान हो सकते हैं।

माइंडफुलनेस को बनाएं डेली लाइफ का हिस्सा

माइंडफुलनेस को डेली लाइफ का हिस्सा बनाने के लिए कुछ टिप्स अपना सकते हैं।

वर्तमान में जिएं

हमारा दिमाग अतीत की घटनाओं को लेकर ज्यादा सोचता है। जिससे वर्तमान भी खराब होता चला जाता है। ऐसे में कोशिश करें कि अतीत को लेकर ज्यादा चिंता ना करें। ये आपको अवसाद या तनाव की तरफ ले जाएगा।

फोकस करना सीखें

किसी काम को करते समय कुछ और सोचते रखना,आपके फोकस को बिगाड़ सकता है। इससे कई बार दोनों काम बाधित होते हैं। ऐसे में दिमाग को इधर उधर न भटकाकर सिर्फ एक ही काम पर फोकस करें। इससे आपके काम में भी सुधार होगा और मेंटली भी आप रिलेक्स महसूस करेंगे।

'ड्रैगन ब्रेथ' तकनीक से सीखें माइंडफुलनेस बनना

अब तक आपने यह तो जान लिया होगा कि माइंडफुलनेस कितना फायदेमंद हैं लेकिन माइंडफुल बनने के लिए किस तकनीक को अपनाया जाए। डॉ. आस्था सक्सेना बताती हैं कि 'ड्रैगन ब्रेथ' तकनीक इसके लिए बेहद कारगर है। जैसे ड्रैगन सांस अंदर लेता है और मुंह से आग बाहर निकालता है। वैसे ही इसमें सिखाया जाता है कि सांस अंदर लीजिए और जोर से बाहर निकालिए। ऐसे में ध्यान रहे कि जितनी देर में सांस अंदर लेते हैं। छोड़ते समय उससे दोगुना समय लें। जैसे अगर 3 सेकेंड में सांस अंदर ले रहे हैं तो छोड़ते समय 6 सेकेंड लें। अगर ऐसा करते हैं तो दिमाग को शांत रखने में मदद मिलेगी। दूसरा, आप एमोशनली भी स्ट्रांग बनेंगे।

ब्लड प्रेशर से लेकर डायबिटीज रोगियों तक, बढ़ती ठंडक पैदा कर सकती है गंभीर समस्याएं

जनवरी का महीना कड़ाके की सर्दी और घने कुहरे वाला होता है, पर इस बार अब तक अपेक्षाकृत ठंड कम है। हालांकि पूर्वानुमानों के मुताबिक आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट आ सकती है। सर्दियों का मौसम खान-पान और तमाम प्रकार के व्यंजनों के शौकीन लोगों के लिए काफी आनंददायक होता है, पर तापमान में गिरावट कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ाने वाली भी हो सकती है।

हृदय रोगों से लेकर ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, पाचन की समस्याओं और मानसिक स्वास्थ्य विकार वाले लोगों के लिए सर्दियों का मौसम काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लिहाजा ऐसे लोगों को सेहत को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की सलाह दी जाती है।

ठंड के महीनों में सर्दी, फ्लू और

अन्य श्वसन संबंधी बीमारियां होना अधिक आम है। इसके अलावा इन दिनों में ब्लड प्रेशर की समस्या भी ज्यादा हो सकती है। आइए जानते हैं कि यह मौसम आपकी सेहत को किस प्रकार से प्रभावित करने वाला होता है? और बचाव के लिए क्या उपाय किए जाने चाहिए?

सर्दी-जुकाम और फ्लू की समस्या

तापमान में गिरावट के साथ सर्दी-जुकाम की समस्या होना काफी सामान्य है। ये अलग-अलग वायरस के कारण हो सकती है, राइनोवायरस सर्दी का सबसे आम कारण है। सर्दी के मौसम में सूर्य की रोशनी से मिलने वाले विटामिन डी का अवशोषण भी कम हो जाता है, इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो सकती है। ये आपको इन बीमारियों के प्रति और भी संवेदनशील बना देती है।

इन समस्याओं से बचाव के लिए जरूरी है कि आप ठंड से बचने के लिए पर्याप्त उपाय करें।

बढ़ सकता है ब्लड प्रेशर

सर्दी के दिनों में रक्तचाप बढ़ने की समस्या भी अधिक देखी जाती रही है, आमतौर पर सर्दियों में ब्लड प्रेशर अधिक और गर्मियों में लो होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि कम तापमान के कारण रक्त वाहिकाएं अस्थायी रूप से संकीर्ण हो जाती हैं, इससे रक्तचाप बढ़ जाता है। संकुचित नसों और धमनियों के माध्यम से रक्त को प्रवाहित करने के लिए अधिक दबाव की आवश्यकता होती है, इसका हृदय की सेहत पर भी असर पड़ सकता है।

यही कारण है कि इस मौसम में हार्ट अटैक के मामले भी अधिक रिपोर्ट किए जाते हैं।

डायबिटीज रोगियों की बढ़ सकती हैं समस्या

सर्दियों का मौसम सिर्फ ब्लड प्रेशर ही नहीं, मधुमेह की समस्या वाले लोगों के लिए भी काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। डायबिटीज से पीड़ित कई लोगों में जैसे-जैसे तापमान गिरता है, रक्त शर्करा बढ़ जाती है। ठंडा तापमान आपके शरीर में तनाव बढ़ाता है जिसके प्रतिक्रिया में, आपका शरीर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए कोर्टिसोल जैसे स्ट्रेस हार्मोन जारी करता है। ये हार्मोन इंसुलिन उत्पादन को कम करते हैं परिणामस्वरूप, आपके रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है। ब्लड शुगर बढ़ने की स्थिति किडनी, लिवर, हार्ट जैसे अंगों के लिए भी समस्याकारक हो सकती है। इसे कंट्रोल में रखने के लिए शरीर को ठंड से बचाएं और दवाओं के साथ समय-समय पर डॉक्टरी सलाह लेते रहें।

अस्थमा और सांस की बीमारियां

अस्थमा या सांस की बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए सर्दी का मौसम साल का सबसे कठिन समय हो सकता है। ठंडी, शुष्क हवा और मौसम में अचानक बदलाव से आपके वायुमार्ग में जलन की समस्या बढ़ने लगती है, जिससे अधिक बलगम पैदा होने लगता है। ये सांस की जटिलताओं को बढ़ाने वाली स्थिति हो सकती है, जिसके कारण अस्थमा के ट्रिगर होने या अटैक का खतरा बढ़ जाता है।

माटुंगा पुलिस ने दादर स्टेशन के पास नकली पत्थर को रत्न बताकर बेचने वालों को किया गिरफ्तार

मुंबई। माटुंगा पुलिस ने दादर स्टेशन के पास रत्न बेचने आए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास से पुलिस ने अलग-अलग रंग के रत्न बरामद किए हैं। आरोपी नीलम, रूबी, पुष्पराज नामक रत्न बताकर लोगों से पैसे लेते थे और नकली रत्न देकर फरार हो जाया करते थे। मामले की अधिक जांच पुलिस द्वारा की जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 6 आरोपियों को रत्न खरीदने के लिए बुलाया गया और फिर शिकायतकर्ता द्वारा की गई शिकायत के आधार पर जाल बिछाकर छह आरोपियों को पकड़ लिया गया। मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपियों का नाम संजुर हबीब खान (58), जितेंद्रकुमार मिश्रीलाल ब्राम्हण (50), प्रकाश हरकिशनदास टेलर(49), शैलेश सुभाष चव्हाण (45), भालचंद्र पोपट तिलोर उर्फ दिपेश (47) और मोहंमद इरफान अब्दुल कय्युम शेख (43) है।

दरअसल आरोपी ऐसे लोगों को अपना टारगेट बनाते थे जो लोग रत्न पहनना चाहते थे।

इसकके बाद नीलम, रूबी, पुष्पराज और दूसरे नकली कलर के पत्थर दिखाकर उसे असली बताकर ज्यादा दाम में बेच दिया करते थे। पुलिस मामले की जांच करने में जुटी हुई है। आरोपी इन पत्थरों के दाम महंगे बताते थे और ज्यादा पैसे में बेचकर फरार हो जाते थे। पुलिस को इस गिरोह के बारे में तब पता चला जब शिकायतकर्ता ने डीसीपी से प्रशांत कदम से संपर्क कर इसकी जानकारी दी।

जिसके बाद जाल बिछाया गया और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की अधिक जांच जारी है।

जम्मू और नेपाल के रास्ते मुंबई पहुंचा ड्रग्स, जल्दी अमीर होने की लत ने पहुंचाया जेल

मुंबई। क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक्स सेल (ANC) ने करीब 3 किलो चरस के साथ दो लोगों को गिरफ्तार (Arrested) किया है। इन दोनों के पास से जब्त किये गए चरस की कीमत 1.18 करोड़ रुपये है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों में से एक सब्जी विक्रेता है। चरस को नेपाल के रास्ते मुंबई लाया गया था। एएनसी की कांदिवली (kandivali) यूनिट को सूचना मिली थी कि दो लोग बोरीवली पश्चिम में एक जगह चरस लेकर आने वाले हैं। जैसे ही पुलिस को यह जानकारी मिली तो उन्होंने उस जगह पर जाल बिछाया और दो संदिग्ध वहां जैसे ही पहुंचे, उन्हें पुलिस ने हिरासत में ले लिया। तलाशी लेने पर उनके पास से चरस बरामद हुई। जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम रोहित गुप्ता और लक्ष्मण जयसवाल हैं, दोनों उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के चौरा चौरी गांव के रहने वाले हैं। जायसवाल पिछले 12 साल से मुंबई में रह रहकर सब्जियां बेचता है।

नेपाल सीमा के पास दिया गया ड्रग्स एएनसी के एक अधिकारी ने बताया कि गुप्ता की आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी और उनकी मुलाकात अर्जुन नाम के व्यक्ति से हुई थी। अर्जुन ने गुप्ता को बताया कि चरस के कारोबार में बहुत पैसा है। अर्जुन ने गुप्ता को शकील नाम के शख्स का नंबर दिया। शकील ने गुप्ता को नेपाल सीमा के पास बुलाया और गांजा दिया।

भिवंडी में पत्रकार पर हमला करने वाले चार हमलावरों पर के स दर्ज,सभी फरार

नवनाथ ढवले ने कहा कि शहर में पत्रकारों पर हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। पुलिस पत्रकारों को उचित सहायता प्रदान करेगी।पत्रकार सिद्धार्थ कांबले ने बताया कि वर्ष 2016 में नुरनिशा खलील शेख के अवैध निर्माण के खबर प्रकाशित किया था।जिसके बाद एमएमआरडीए ने उक्त अनाधिकृत निर्माण को ध्वस्त कर दिया।जिसके बाद नुर्निशा शेख के परिजनों ने कांबले के साथ उनके परिवार के सदस्यों की पिटाई की। उस समय भी आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।जिसके बाद से आरोपी लगातार पत्रकार सिद्धार्थ कांबले और उनके परिवार के साथ-साथ गवाहों को भी परेशान कर रहे थे।इतना ही नहीं आरोपियों ने कांबले को जलापूर्ति करने वाले बोरवेल और जल भंडारण टैंक में जबरन गंदगी और कचरा फेंककर जेसीबी की मदद से टैंक को तोड़ दिया।जिसकी शिकायत भी उन्होंने पुलिस स्टेशन में दर्ज कराया था।

इंडिया' गठबंधन का साझा एजें डा है भाजपा को हराना मोदी

या रेलवे हों, राज्य सरकार केंद्र सरकार के साथ सहयोग नहीं कर रही है। उन्होंने अपने भाषण का अधिकांश समय अपनी सरकार द्वारा किए गए विभिन्न विकासों के लिए समर्पित किया। उन्होंने कहा कि कई वर्षों तक शासन करने वाली कांग्रेस ने कभी भी महिला आरक्षण विधेयक पारित करने के बारे में नहीं सोचा। यह भारतीय जनता पार्टी सरकार ही थी जो संसद में बिल पास कराने में सफल रही। वाम दल ने सबरीमाला मुद्दे पर लोगों और त्रिशूर पूरम प्रेमियों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। श्री मोदी ने कहा कि सत्तारूढ़ वामपंथी दल के रुख के कारण विश्व प्रसिद्ध त्रिशूर पूरम का आयोजन सस्पेंस में था। पिछली बार सबरीमाला सीज़न के दौरान कई अप्रिय दृश्य वामपंथी पार्टी की देन थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसी तरह उन्होंने पूरम के सुचारू संचालन में कुछ बाधाएं पैदा करने की कोशिश की, जिससे कई लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं।

मनपा आयुक्त संजय काटकर

अटकलों की सूची में सबसे ऊपर है।सुजाता ढोले नवी मुंबई मे अतरिक्त आयुक्त के पद पर है जबकि गणेश देशमुख भी मनपा मे उपायुक्त के रूप मे काम कर चुके है, सूजाता देशमुख पूर्व आयुक्त दिलीप ढोले की पत्नी है. प्रवर्तन निदेशालय (ed)द्वारा जारी समन के बाद 9 अगस्त 2023 को दिलीप ढोले की जगह संजय काटकर को लाया गया था, दिलीप ढोले लिए वापसी करना बहुत मुश्किल भी नहीं है ,लेकिन जिस तरह से दिलीप घेवारे बाऱ बार मीरा भायंदर मे आ जाते है तो उसी तरह से दिलीप ढोले भी आने की बात की जा रही है सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ढोले इसके लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं जिसके लिए उन्हें जाना जाता है,नगपुर शित्कालीन सत्र मे अपनी पोस्टिंग को लेकर काफ़ी कोशिश और जुगाड़ मे लगे हुए थे कड़ी महेनत के लिए आखिरकार उन्हें जाना जाता है। सीएम के करीबी अधिकारियों में से एक रहे चुके है इसलिए अंततः सीएम आगामी चुनावों के मद्देनजर अब किसे मौका देंगे यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा मीरा भायंदर को दुबारा आय ए एस या नॉन आय ए एस आधिकारी दिया जाएंगा जो लोकसभा,महानगर पालिका, और विधान सभा के चुनाव मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला होंगा और विधायक प्रताप सरनाईक की राय लिए बिना मनपा मे आयुक्त की पोस्टिंग की नहीं जा सकती है.उनकी राय भी ली जायगी.ठाणे जिले मे अधिकारी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गुड़वील बुक का होंगा यह तो तय माना जाता है.ठाना शहर और जिले के अधिकारी ठाकरे सरकार के काल मे भी उन्ही के मर्जी का नियुक्त किया जाता रहा है.

पृष्ठ 1/8 का शेष

15 बस स्टॉप के आगे निजी

की माने तो वहां पऱ देह व्यपार भी चल रहा है साथ ही 2 बड़े जुआ खाना चलाये जा रहे है एक जगह गरीब मजदूर पेशा लोग जुआ खेलते है तो वही दूसरी जगह उसके अमीर साथी जुआ खेलते है. पुलिस ने वहा पऱ 2,3 बार रेड भी की है.निजी जमीन पर जोकि बिल्डर की है मनपा के अधिकारियो की मिली भगत से यहा झोपड़े बनाकर कर किराये पर देने का काम जोरो पर चल रहा है,बिल्डर की जमीन की सुरक्षा भी हो रही किराये के एक हिस्सा भी मुफ्त मे मिल रहा है, गुर्गो की रोजाना लाखो रूपये की अवैध व्यवसाय से जेब भी गर्म हो रही है.इसके आलावा वही पर एक आलीशान टर्फ बनाया गया है जोकि पूरी रात चलता है,पूरी रात शोर गुल हंगामा होते रहता है. शहर से बाहर होने के चलते वहां की कोई शिकायत नहीं करता है. जिसके चलते हफ्ता देकर खुले आम अवैध रूप से यहाँ पऱ अवैध गीतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा है.यहाँ पऱ अक्सर साधे ड्रेस मे पुलिस और मनपा के बीट निरिक्षक का अकसर आना जाना लगा रहता है. सीसी कमेंरे मे अक्सर इन लोगो को देखा jaa सकता है. सूत्रों की माने तो यहाँ से बड़े पैमाने पऱ हफ्ता जा रहा है. जिसके बदले मे उन्हें संरक्षण प्राप्त है. इसके आलावा इसी प्लाट को लगकर सरकारी जमीन भी बतायी जा रही जिस पऱ इन लोगो ने कब्जा कर के झोपड़े बनाये है. राजू नशेड़ी फिरोज का ख़ास गुरगा माना जाता हैसूत्रों की माने तो वहां पऱ नशे का व्यपार भी जोरो पऱ है. जिस ने गांजा और एम डी खासकर बेचीं जाती है.क्रमशः कौन राजू नशेड़ी, बटला अगले अंक मे पढ़िये

13वीं सदी में यमन से आए हाजी अब्दुल की मजार है। दोनों पक्षों ने जमीन का एक-एक हिस्सा अपने कब्जे में ले रखा है। इस पर लंबे समय से दोनों ही पक्षों की तरफ से विवाद शुरू है। 80 के दशक में शिवसेना ने पहली बार यह मुद्दा उपस्थित किया था। यह मामला अदालत के विचाराधीन है। शिंदे के बयान पर आव्हाड का ऐतराज इधर पूर्व मंत्री और कलवा-मुंब्रा के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बयान पर ऐतराज जताया है। आव्हाड ने कहा कि आमतौर पर मुख्यमंत्री विवादित बयान नहीं देते हैं, लेकिन मलंगगढ़ को लेकर उनका भाषण ठीक नहीं था। तुम्हारे मन में जो है, उसे एकनाथ शिंदे पूरा करेगा, इसका मतलब क्या है? मुख्यमंत्री मलंगगढ़ में एक दो महीने में दो-तीन बार जाते हैं, उन्हें कोई दूसरा काम नहीं है क्या? आव्हाड ने कहा कि मुख्यमंत्री को धार्मिक उन्माद बढ़ाने वाले बयान नहीं देने चाहिए। उन्हें पता होना चाहिए कि वे एकनाथ शिंदे नहीं, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे हैं, उन्हें अपनी शपथ का पालन करना चाहिए।

हाजी मलंग या श्री मलंग

एक ईंधन डिपो है, जहां ये टैंकर खड़े किए गए. टैंकर चालकों ने यह कदम हिट-एंड-रन मामले में चालक को 10 वर्ष तक की जेल की सजा का प्रावधान करने वाले नए कानून के विरोध में उठाया है. नंदगांव तालुका के पनेवाड़ी गांव में भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और इंडियन ऑयल के ईंधन डिपो हैं साथ ही यहां एलपीजी गैस भरने का भी स्टेशन हैं. इन डिपो से ईंधन राज्य के विभिन्न हिस्सों में पहुंचाया जाता है. सुनिए क्या बोले संजय राउत? टैंकर चालक भारतीय न्याय संहिता के उस प्रावधान का विरोध कर रहे हैं, जिसके तहत लापरवाही से गाड़ी चलाने पर गंभीर सड़क दुर्घटना होने और पुलिस या प्रशासन के किसी अधिकारी को सूचित किए बिना मौके से भागने वाले चालकों को 10 साल तक की सजा या सात लाख रुपये के जुर्माने का प्रावधान है.नासिक जिला पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष भूषण भोसले ने कहा, "अगर आंदोलन बंद नहीं किया गया तो नासिक जिले के कई ईंधन स्टेशन बंद हो जाएंगे क्योंकि वे डीलरों को अपने टैंकर भरने नहीं दे रहे हैं. द्वार बंद कर दिए गए हैं और एक भी टैंकर को ईंधन नहीं ले जाने दिया जा रहा है." उन्होंने कहा कि कम से कम 1,200 टैंकरों ने काम बंद कर दिया है. पुलिस और प्रशासन को हस्तक्षेप करना होगा और आंदोलन को रोकने के लिए कार्रवाई करनी होगी. इस बीच, छत्रपति संभाजीनगर में पेट्रोल पंप डीलरों के एक संघ ने कहा कि अगर स्थिति सामान्य नहीं हुई तो कल तक जिले के ईंधन पंप बंद हो सकते हैं. पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के सचिव अकील अब्बास ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि छत्रपति संभाजीनगर में कुछ पेट्रोल पंपों पर काम पहले ही बंद हो चुका है. प्रदर्शनकारी टैंकर चालकों में से एक सैयद वाजेद ने कहा, ''नये कानून के अनुसार, 'हिट एंड रन' मामलों में 10 साल तक की जेल और सात लाख रुपये का जुर्माना हो सकता है. हम ड्राइवर हैं हम इतनी बड़ी राशि कैसे भर सकते हैं?'

मुंबई में मनोरंजन होगा

बढ़ा है। इसलिए आर्थिक वर्ष 2024-25 के लिए यह टैक्स बढ़ाने का प्रस्ताव बीएमसी ने तैयार किया है। प्रस्ताव को बीएमसी प्रशासक आई.एस.चहल की अंतिम मंजूरी मिलना बाकी है। प्रस्ताव के अनुसार इसमें वातानुकूलित थिएटरों के लिए यह टैक्स 200 रुपये प्रति नाटक होगा, जबकि गैर-वातानुकूलित थिएटरों के लिए यही टैक्स 45 रुपये प्रति नाटक से लेकर 90 रुपये प्रति नाटक लिया जाएगा। अगर इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई तो फिल्मों और नाटकों के टिकट के दाम भी बढ़ने की उम्मीद है। आखिरी बार मुंबई में वित्तीय वर्ष 2010-11 में थिएटर टैक्स में बढ़ोतरी हुई थी। फिर वर्ष 2015-16 में बीएमसी ने थिएटर टैक्स बढ़ाने का प्रस्ताव तैयार किया था, लेकिन प्रस्ताव को राज्य सरकार ने मंजूरी नहीं दी थी। बीएमसी को बढ़ी यही वृद्धि दर से 10 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है।

दैनिक सिटी न्यूज मुंबई
गुरूवार, 04 जनवरी 2024, ठाणे, मुंबई

भिवंडी में जांबाज पुलिस अधिकारी ने भाग रहे वांटे ड ड्रग पैडलर को खाड़ी में कू दकर पकड़ा

सिटी न्यूज मुंबई/गनी खानभिवंडी की शांतीनगर पुलिस स्टेशन में 60 ग्राम एमडी पावडर को लेकर दाखिल आपराधिक मामले के तहत वांछित आरोपी को पकड़े के लिए एक जाबांज सहायक पुलिस निरीक्षक ने जान की परवाह न करते हुए खाड़ी के पानी में कूदकर ड्यूटी निभाते हुए पुलिस में वांटेड ड्रग पैडलर को दबोच कर उसे कानून के हवाले किया है।आरोपी के पास से पुलिसकर्मी ने 30 ग्राम एम डी पावडर भी बरामद किया है।जिस पर पहले से कई अपराधिक मामले दर्ज है। पुलिस के अनुसार पुलिस रिकार्ड में वांछित ड्रग पैडलर ईदगाह निवासी अरबाज अंसारी(23) को दबोचने हेतु सहायक पुलिस निरीक्षक श्रीकृष्णा गोरे एवम पुलिस कर्मी

भूषण कापडणीस की टीम ने उसके घर के पास रात्रि को जाल बिछाया था। पुलिस द्वारा पकड़े जाने की भनक लगते ही मादक द्रव्य विक्री में लिप्त वांछित आरोपी अपने घर के समीप स्थित खाड़ी के पानी में कूदकर रात्रि 12 बजे भागने की योजना बनाई। रात्रि के अंधेरे में पुलिस टीम को चकमा देकर आरोपी पुलिस से बचने के लिए खाड़ी में छलांग लगाई और पानी से निकलकर दूसरे किनारे पर जाने का प्रयास करने लगा।जिसके घर के पास ही छिपकर बैठे जांबाज पुलिस सहायक निरीक्षक श्रीकृष्णा गोरे ने अपनी जान की परवाह न करते हुए फौरन अपनी ड्यूटी का निर्वहन करते दलदल युक्त खाड़ी के गहरे पानी में कूद पड़े और अपराधी को दबोच कर खाड़ी के दलदल से बाहर निकाल कर कानून के हवाले किया है। पुलिस को आरोपी अरबाज अंसारी की जेब से 30 ग्राम एमडी पावडर भी जब्त किया गया है। जाबांज पुलिस सहायक निरीक्षक श्रीकृष्णा गोरे द्वारा जान हथेली पर लेकर कानून पालन के लिए निभाई गई ड्यूटी की सराहना पुलिस महकमे में हो रही है।अधिकारी, कर्मचारी एवम शहरवासी कर रहे हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शांतिनगर पुलिस स्टेशन रिकार्ड में आपराधिक कृत्य में लिप्त अरबाज अंसारी पर पहले भी आईपीसी 307, 395 के तहत कई आपराधिक प्रकरण भी दर्ज हैं। पुलिस को आरोपी से पूंछतांछ के उपरांत अपराध से जुड़े कई मामलों के पदार्फाश होने की संभावना है।

खाड़ी से अवैध तरीके से उत्खनन द्वारा 45 हजार की चोरी; दो अज्ञात पर के स दर्ज

सिटी न्यूज मुंबईभिवंडी तालुका के कशेली इलाके में खाड़ी से अवैध रूप से रेत की खुदाई कर बिक्री के लिए भंडारण करने वाले दो लोगों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया गया है।लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। नारपोली पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक सोमनाथ कर्णवर पाटील ने बताया कि रेती उत्खनन पर प्रतिबंध के बावजूद एक जनवरी को दो अज्ञात लोगों ने कशेली खाड़ी से 45 हजार रुपए कीमत का नौ ब्रास रेती अवैध तरीके से उत्खनन कर बिक्री के लिए इकट्ठा कर रखा था।जिसकी खबर नारपोली पुलिस को मिलने के बाद पुलिस हवलदार नाना मुरलीधर रायते व पुलिस अंमलदार संजय भाऊसाहेब लिपने ने छापामार कर रेती जप्त करने के साथ ही दो अज्ञात रेती माफियाओं पर आईपीसी की धारा 379 सहित पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 3(2) के तहत केस दर्ज कराया है।जिसकी जानकारी मिलने के बाद दोनो रेती माफिया फरार हो गए है।जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है।जिसकी जांच उनके द्वारा किया जा रहा है।

मुंबई में मनोरंजन होगा महंगा? बीएमसी का थिएटर टै क्स बढ़ाने का प्रस्ताव, टिकट के दाम भी बढ़ें गे

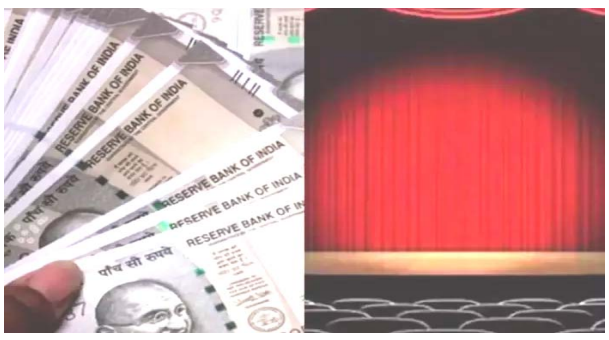

मुंबईः बीएमसी मुंबईकरों को एक और आर्थिक झटका देने की तैयारी कर रही है। थिएटर, नाटक, सर्कस, एयर कंडीशन और गैर एयर कंडीशन सिनेमा हॉल सहित मनोरंजन के अन्य साधनों पर बीएमसी टैक्स की दर बढ़ाने की योजना बना रही है। पिछले 13 साल में मुंबई में थिएटर टैक्स नहीं शेष पृष्ठ 7 पर

भिवंडी में पत्रकार पर हमला करने वाले चार हमलावरों पर के स दर्ज,सभी फरार

अवैध निर्माण की खबर प्रकाशित करने पर गुस्साए लोगो ने किया हमला,पत्रकारों में आक्रोश

सिटी न्यूज मुंबईअवैध निर्माण की खबर प्रकाशित करने से गुस्साए चार लोगों ने मिलकर एक पत्रकार पर हमलाकर जमकर पिटाई की।जिसके कारण पत्रकार बुरी तरह जख्मी हो गया।इस प्रकरण में कोन गांव पुलिस ने चार लोगों पर केस दर्ज किया है।लेकिन सभी फरार हो गए है।इस घटना को लेकर पत्रकारों में आक्रोश फैलाने के साथ उनकी सुरक्षा को लेकर प्रश्न निर्माण हो गया है। पुलिस के अनुसार भिवंडी के कोनगांव इलाके में स्थित ड्रीम कॉम्प्लेक्स में रहने वाले पत्रकार

सिद्धार्थ कांबले शुक्रवार की रात खाना खाने के बाद बिल्डिंग परिसर में टहल रहे थे। इसी दरम्यान बिल्डिंग में रहने नूरनिशा शेख के बेटे आरिस शेख और उसके तीन साथियों ने पत्रकार सिद्धार्थ को रोका और उनके साथ जबरन गाली-गलौज करते हुए कहा कि हमारा निर्माण तोड़ दिया और अब हमारे खिलाफ शिकायत करते हो।इसके बाद आरिस शेख और उनके तीन साथियों ने पत्रकार सिद्धार्थ कांबले की लात-घूसों से पिटाई कर दी।इस पिटाई में कांबले गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।जिन्हे इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।इस प्रकरण में पत्रकार कांबले की शिकायत पर कोनगांव पुलिस ने चार नामजद लोगों के साथ केस दर्जकर फरार आरोपियों की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी है।इधर भिवंडी के पुलिस उपायुक्त शेष पृष्ठ 7 पर

भिवंडी मनपा कर मूल्यांकन विभाग में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो का छापा

सिटी न्यूज मुंबईभिवंडी मनपा के कर मूल्यांकन विभाग में नवी मुंबईभ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने छापा मारकर डेढ़ लाख रुपए रिश्वत लेते सहायक आयुक्त सहित तीन लोगों को रंगों हाथ गिरफ्तार किया है।जो अवैध बिल्डिंग में कम टैक्स लगाने के बदले उक्त रिश्वत ले रहे थे।इस छापामारी की खबर लगते ही मनपा मुख्यालय में जहां हड़कंप मच गया।वही मनपाकर्मी भयवश अपने कार्यालयों से फरार हो गए। पुलिस के अनुसार भिवंडी के नायगांव इलाके में एक अवैध बिल्डिंग के 13800 फिट चौरस जगह पर पुराने टैक्स को बदल कर नया टैक्स लगाने के बदले कर मूल्यांकन अधिकारी ने प्रति चौरस फिट 15 रुपए की दर से 2 लाख 7 हजार रुपए बतौर रिश्वत की मांग की थी।जिसको जोड़तोड़ के बाद डेढ़ लाख रुपए देने पर मामला तय हुआ था। जिसकी शिकायत बिल्डिंग मालिक ने नवी मुंबई भ्रष्टाचार निरोधक

ब्यूरो(एसीबी)से लिखित रूप में की थी।जिसके बाद बुधवार तीन जनवरी को जैसे ही बिल्डिंग मालिक ने तय रकम मनपा मुख्यालय के छठवें महले पर स्थित कर मूल्यांकन विभाग में दिया।इसी दौरान एसीबी ने छापामार कर डेढ़ लाख रुपया रिश्वत लेते कर मूल्यांकन अधिकारी,प्रभारी सहायक आयुक्त व पर्यावरण अधिकारी सुदाम जाधव,लिपिक किशोर केने व कार्यालय अधिक्षक सायरा बानो सफीउल्लाह अंसारी को रंगों हाथ गिरफ्तार कर लिया है।तीन मनपा अधिकारियों पर नवी मुंबई एसीबी के पीआई संतोष पाटील की शिकायत पर निजामपुर पुलिस स्टेशन में विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कराया गया है। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार तीनो आरोपियों को गुरुवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।इस छापामारी की घटना उजागर होने के बाद मनपा मुख्यालय में अफरा तफरी मच गई।सूत्र बताते है कि दोपहर के बाद मनपा मुख्यालय में कार्यरत आधा से ज्यादा कर्मचारी खाने के बहाने मनपा मुख्यालय से निकले तो कार्यलय बंद होने तक पुनः काम पर वापिस नही लौटे।जो शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

यह दैनिक मालक-मुद्रक-प्रकाशक, संपादक मोहम्मद शकील अब्दुल रफीक ने सिटी इन्टरप्राजेस धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे से प्रकाशित किया, मुख्य कार्या लय- धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे महाराष्ट्र।मुंबई कार्या लय- शॉप नं. 14 उपाध्याय इंडस्ट्रियल इस्टेट, दहिसर चेक नाका, मुंबई इस समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है किसी भी विवाद का निपटारा मा. ठाणे न्यायालय के अधीन होगा संपादक मो. शकील अ. रफीक : मो. 9869128483
Email : shakeelsahara@gmail.com / citynewsmumbai@gmail.com website : www.citynewsmumbai.in RNI No. : MAHHIN/2012/47486